दैनिक
CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186
राजस्थान,दिल्ली,छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित
RNI NO. RAJHIN/2023/89729
मरुधर विशेष
Marudharvishesh@gmail.com
मो. 9653906665
अंक 02/72 | जयपुर | 01 अप्रैल /2025 | मंगलवार | मूल्य रु. 5 | पृष्ठ: 04

जयपुर में चारों और गूंजा गौर-गौर गणपति, ईसर पूजे पार्वती

सुहागिन महिलाओं ने किया मां पार्वती का पूजन, 16 दिवसीय गणगौर व्रत का हुआ समापन

जयपुर। राजस्थान में सोमवार को गणगौर का लोकपर्व धूमधाम से मनाया गया। जयपुर शहर की हर कॉलोनी और मोहल्ले में मां पार्वती स्वरूपा गणगौर माता का पूजन किया गया। सुहागिन महिलाओं ने 16 दिवसीय व्रत का समापन करते हुए अखंड सौभाग्य की कामना की। जयपुर के करतारपुरा स्थित आवास में गणगौर पर्व खास तरीके से मनाया गया। यहां जैसे शादी से पहले हल्दी, मेहंदी और महिला संगीत जैसे आयोजन होते है इसी तरीके से हर दिन 16 दिन तक पीले चांवल करने से लेकर, हल्दी, मेंहदी और महिला संगीत जैसे कार्यक्रम किए गए।

नव विवाहिता पूजा ने बताया- होलिका दहन के दूसरे दिन से शुरू होने वाला यह त्योहार 16 दिन तक चलता है। यह चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से चैत्र शुक्ल तृतीया तक मनाया जाता है। शीतलाष्टमी के बाद से घर-घर गणगौर और बिनौरा देने की परंपरा शुरू हो जाती है।

सवारी: जयपुर में शाही लवाजमे से निकली, लोगों के बीच आया 'पीके'; उदयपुर में नाव पर हुई सवार

महिलाएं परंपरागत गीत गाती हैं, जैसे नखराली महारी गणगौर और मार्च महीना निकलेगी गणगौर। वे काजल, मेहंदी, हल्दी और सिंदूर की बिंदी लगाकर अमर सुहाग की कामना करती हैं।

नेहा ने बताया- प्रतिदिन गणगौर की पूजा-अर्चना और श्रृंगार किया जाता है। महिलाएं मंगल गीतों के साथ पूजन कर अपने पति की लंबी आयु की कामना करती हैं। इस तरह वे भारतीय संस्कृति को जीवंत रख रही हैं।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने ईशर गणगौर की बिनौरी निकाली और गीतों पर नृत्य किया।

प्रीति ने बताया- होली के अगले दिन धूलंडी से चैत्र शुक्ल तृतीया तक जयपुर के हर मोहल्ले और कॉलोनी में गणगौर पूजन का नजारा दिखता है। महिलाएं पति की दीर्घायु होने की कामना करते पार्वती और भगवान शिव स्वरूप ईसर-गणगौर का पूजन करती हैं। माता गौरी के समक्ष सुहाग की सामग्री चढ़ाई जाती है. फिर गौर-गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती गीत गाते दूब और पानी से गणगौर माता को छींटे लगाकर पूजन करती हैं।

बता दें कि गणगौर शब्द 'गण' और 'गौर' से मिलकर बना है। गण का अर्थ शिव और गौर का अर्थ माता पार्वती है। यह त्योहार शिव-पार्वती को समर्पित है। इस अवसर पर शिव और माता पार्वती की मिट्टी की मूर्तियों की पूजा की जाती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माता पार्वती भगवान शिव के साथ सुहागिन महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद देने के लिए भ्रमण करती हैं। इस दिन महिलाएं परिवार में सुख-समृद्धि और सुहाग की रक्षा की कामना करती हैं। अविवाहित कन्याएं भी शिव जैसा पति पाने के लिए यह व्रत रखती हैं।

उदयपुर: नाव पर डांस कर रहे कलाकार

उदयपुर में नावों में गणगौर की शोभायात्रा निकाली जा रही है। इस दौरान कलाकार नाव में डांस करते दिखे। गणगौर घाट पर यात्रा देखने वाले लोगों की भीड़ लग गई।

जयपुर: पद्मनाभ सिंह ने गणगौर माता की पूजा की- जयपुर में गणगौर माता की शाही सवारी त्रिपोलिया गेट पर पहुंच गई है। पूर्व राजपरिवार के सदस्य पद्मनाभ सिंह ने विधि विधान से गणगौर माता की पूजा की।

◆ ब्रीफ बॉक्स

ईरान परमाणु समझौता नहीं करेगा तो बमबारी होगी: डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने परमाणु कार्यक्रम को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ समझौता नहीं करता तो उस पर बमबारी की जाएगी। अपनी आक्रामक टैरिफ नीतियों के कारण लगातार चर्चा में बने हुए ट्रंप ने ईरान पर भी अतिरिक्त शुल्क लगाने की चेतावनी दी है। ट्रंप ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, अमेरिकी और ईरानी अधिकारियों के बीच बातचीत हो रही है, लेकिन फिलहाल वे इस संबंध में विस्तार से नहीं बता सकते।

संवेदनशील क्षेत्रों में जाने के लिए विदेशियों को लेनी होगी अनुमति

आइजोल, एजेंसी। मिजोरम सरकार राज्य में संरक्षित क्षेत्र परमिट (पीएपी) प्रणाली को लागू करने जा रही है। यह विदेशी नागरिकों के लिए कुछ संवेदनशील क्षेत्रों में जाने के लिए आवश्यक यात्रा दस्तावेज है। मिजोरम के गृह सचिव वनलालमाविया ने बताया कि राज्य सरकार पीएपी को लागू करने की दिशा में कदम उठा रही है, जिसे प्रतिबंधित क्षेत्र परमिट (आरएपी) के रूप में भी जाना जाता है। हम पीएपी को लागू करने की प्रक्रिया में हैं।

व्यापारी से 30 लाख लूट मामले में 4 गिरफ्तार; 16.94 लाख बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने 30 लाख रुपए की लूट मामले में रविवार को चार लुटेरों को गिरफ्तार किया। अपराध में इस्तेमाल मोटरसाइकिल और 16.94 लाख रुपए बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि लुटेरों ने 25 मार्च को व्यापारी कृष्ण गुप्ता पर लाठी से हमला करके रुपए लूटे थे। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर खुफिया जानकारी जुटाकर छापेमारी की गई। इससे चार आरोपियों संचित, शिवाल, रुस्तम और अनिल को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने गुनाह कुबूल कर लिया है।

महाराष्ट्र के बीड जिले की मस्जिद में विस्फोट, 2 आरोपी गिरफ्तार

बीड, एजेंसी। महाराष्ट्र के बीड जिले में रविवार सुबह एक मस्जिद में ब्लास्ट हुआ। पुलिस ने बताया कि एक व्यक्ति के पास जिलेटिन की छड़ें रखी थीं। उसी से विस्फोट हुआ था। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बम डिटेक्शन और डिस्पोजल स्क्वॉड के साथ फोरेंसिक साइंस टीम भी मौके पर पहुंची है। ब्लास्ट जियोराई तहसील के अर्ध मसला गांव में सुबह करीब 2.30 बजे हुआ।

प्रधानमंत्री ने माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की नींव रखी

मोदी बोले- स्वयंसेवक का जीवन निस्वार्थ

नागपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय केशव कुंज पहुंचे। उन्होंने संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने संघ के माधव नेत्रालय के एक्सटेंशन बिल्डिंग की आधारशिला रखी।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की निःस्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा की। उन्होंने संघ की तारीफ करते हुए कहा- राष्ट्रीय चेतना के लिए जो विचार 100 साल पहले संघ के रूप में बोया गया, वो आज महान वट वृक्ष के रूप में दुनिया के सामने हैं। ये आज भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को लागतार ऊर्जावान बना रहा है। स्वयंसेवक के लिए सेवा ही जीवन है। हम देव से देश, राम से राष्ट्र का मंत्र लेकर चल रहे हैं।

हमारे संतों ने भक्ति के विचारों से राष्ट्रीय चेतना को नई ऊर्जा दी

पीएम मोदी ने कहा कि भारत के इतिहास में नजर डालें तो इसमें कई आक्रमण हुए। इतने आक्रमणों के बावजूद भी भारत की चेतना कभी समाप्त नहीं हुई, उसकी लौ जलती रही। कठिन से कठिन दौर में भी इस चेतना को जाग्रत रखने के लिए नए सामाजिक आंदोलन होते रहे। भक्ति आंदोलन इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। मध्यकाल के उस कठिन कालखंड में हमारे संतों ने भक्ति के विचारों से राष्ट्रीय चेतना को नई ऊर्जा दी। गुरु नानक देव, कबीरदास, तुलसीदास, सूरदास, संत तुकाराम, संत रामदेव, संत ज्ञानेश्वर जैसे महान संतों ने अपने मौलिक विचारों से समाज में प्राण फूंके। उन्होंने भेदभाव के बंधनों को तोड़कर समाज को एकता के सूत्र में बांधा।

समाज ने संघ के स्वयंसेवकों को देखने-परखने के बाद स्वीकार किया: भागवत

नागपुर, एजेंसी

महाराष्ट्र के नागपुर में एक सभा को संबोधित करते समय संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, आरएसएस की लंबी यात्रा के दौरान समाज ने संघ के स्वयंसेवकों को देखा, परखा उसके बाद स्वीकार किया है। इसी का नतीजा है कि तमाम बाधाओं को दूर करते हुए अब स्थिति अनुकूल है और स्वयंसेवक लगातार आगे बढ़ रहे हैं। भागवत ने कहा कि संघ के दर्शन में कहा जाता है कि आत्म-विकास पर एक घंटा, जबकि समाज के विकास पर 23 घंटे खर्च करना चाहिए। यही संघ का नजरिया है और आरएसएस के तमाम प्रयास इसी सिद्धांत से प्रेरित हैं।

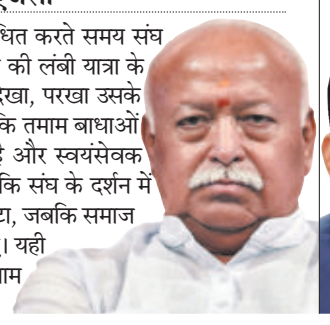

सीएम देवेंद्र फडणवीस बोले- दृष्टिहीनों की सेवा से बड़ा कोई दिव्य कार्य नहीं

नागपुर, एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि दृष्टिहीनों को दृष्टि देने से बड़ा कोई दिव्य कार्य नहीं है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं की दृष्टिहीनों के लिए स्वयंसेवा करने के प्रयासों की सराहना की। साथ ही कहा कि माधव नेत्रालय नेत्र रोगों के इलाज के लिए महत्वपूर्ण संस्थान बनकर उभरेगा। सीएम फडणवीस ने एक सभा को संबोधित करते हुए खुशी जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माधव नेत्रालय की आधारशिला रखी, जो नागपुर में माधव नेत्रालय नेत्र संस्थान और अनुसंधान का विस्तार केंद्र है।

शाह बोले- गायों का चारा खाने वाले लोगों के कल्याण के बारे में नहीं सोच सकते...

गोपालगंज, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद पर सीधा हमला करते हुए रविवार को कहा कि जो लोग गायों का चारा खाते हैं, वह बिहार के लोगों के कल्याण के बारे में नहीं सोच सकते। गोपालगंज में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, केंद्र और बिहार दोनों जगह की राजग सरकारें राज्य के समग्र विकास के लिए काम कर रही हैं। जो लोग जानवरों का चारा खाते हैं, वे राज्य के लोगों के कल्याण के बारे में नहीं सोच सकते। लालू जी अलकतरा घोटाला, बाढ़ राहत सामग्री आपूर्ति घोटाला, चरवाहा विद्यालय घोटाला में शामिल थे... उन्होंने गायों का चारा भी खाया।

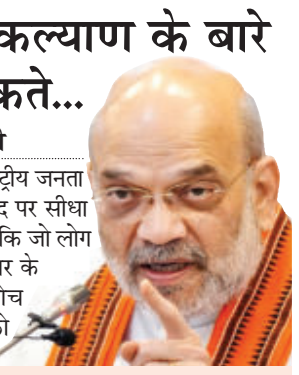

लालू प्रसाद ने सिर्फ अपने परिवार के लिए काम किया... भाजपा नेता ने आरोप लगाया, यहां (बिहार) लालू-राबड़ी सरकार और केंद्र में सोनिया-मनमोहन सरकार ने बिहार के लिए कुछ नहीं किया। लालू प्रसाद ने सिर्फ अपने परिवार के लिए काम किया। उन्होंने कहा, लालू प्रसाद ने अपने दोनों बेटों को मुख्यमंत्री बनाने की कोशिश की... अपनी पत्नी को बिहार का मुख्यमंत्री बनाने की तैयारी कर रहे हैं, अपनी बेटी को राज्यसभा भेजा, लेकिन लोगों के लिए कुछ नहीं किया। जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में राजग सरकार बिहार के समग्र विकास के लिए काम कर रही है।

बिहार को बाढ़ मुक्त बनाएंगे... शाह ने कहा कि अगले पांच सालों में बिहार को बाढ़ मुक्त बना दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार बिहार में देवी सीता के जन्मस्थान (पुनौरा धाम) पर एक विशाल मंदिर का निर्माण भी कर रही है। सीतामढ़ी शहर से लगभग पांच किलोमीटर पश्चिम में स्थित पुनौरा धाम में बड़ी संख्या में तीर्थयात्री आते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 13 दिसंबर 2023 को पुनौरा धाम जानकी मंदिर के समग्र विकास के लिए आधारशिला रखी थी।

3 राज्यों में अफस्पा 6 महीने बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने मणिपुर, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम (अफस्पा) को छह महीने के लिए बढ़ा दिया है। गृह मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर यह जानकारी दी।

हिंसा के चलते गृह मंत्रालय का फैसला... गृह मंत्रालय के मुताबिक, मणिपुर में जारी हिंसा के कारण कानून व्यवस्था की समीक्षा के बाद यह फैसला लिया गया। मणिपुर के 13 पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र को छोड़कर बाकी पूरे राज्य में 1 अप्रैल 2025 से अगले छह महीने तक अफस्पा लागू रहेगा।

कटक में बेंगलुरु-कामाख्या एक्सप्रेस डिरेल

11 एसी कोच पटरी से उतरे; 1 की मौत, 8 घायल

भुवनेश्वर, एजेंसी

ओडिशा के कटक में रविवार को बेंगलुरु-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12551) के 11 एसी कोच पटरी से उतर गए। हादसे में एक यात्री की मौत हो गई जबकि 8 अन्य घायल हैं। मेडिकल और इमरजेंसी टीम मौके पर मौजूद है। कटक के डीएम दत्तात्रेय शिंदे ने मौत की पुष्टि की है। घायलों को श्रीराम चंद्र भंज मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

निरगुंडी स्टेशन के पास हुआ हादसा... हादसा सुबह 11:54 बजे मंगुली पैसेंजर हॉल्ट से लगे निरगुंडी स्टेशन के पास हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि हादसे की वजह से तीन ट्रेन डायवर्ट की गई हैं। फंसे हुए यात्रियों को कामाख्या पहुंचाने के लिए विशेष ट्रेन शाम 5:05 बजे घटनास्थल से रवाना हो चुकी है। इससे पहले ईस्ट कोस्ट रेलवे के सीपीआरओ अशोक कुमार मिश्रा ने बताया था- बेंगलुरु से असम के गुवाहाटी स्थित कामाख्या जा रही ट्रेन 12 बजे के आसपास दुर्घटनाग्रस्त हुई।

इनकी हालत स्थिर है। गर्मी के कारण दुर्घटना के बाद कुछ यात्री बीमार भी पड़ गए। घटनास्थल पर ही हेल्थ कैंप में उनका इलाज किया गया।

हिमाचल में हादसा, गाड़ियों पर गिरा पेड़, 6 लोगों की मौत

कुल्लू, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश की धार्मिक नगरी मणिकर्ण में नव संवत के दिन एक दर्दनाक हादसा हो गया। कायल का एक पेड़ तेज हवा के चलते नीचे खड़ी गाड़ियों पर गिर गया। पेड़ गिरने से छह लोगों की मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई है। मृतकों में कुछ पर्यटक भी शामिल हैं। घायलों को कुल्लू अस्पताल लाया गया।

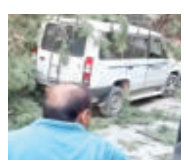

मप्र के तापमान में गिरावट... गर्मी से मिली राहत, 1 अप्रैल से ओले-बारिश का अलर्ट

एमपी/ दिल्ली/ एजेंसी।

प्रदेश के मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है, जहां पहले तेज गर्मी से लोग परेशान हो रहे थे। वहीं पिछले तीन दिन से तापमान में गिरावट हुई है।

1 और 2 अप्रैल को भोपाल, इंदौर, जबलपुर, नर्मदापुरम समेत प्रदेश के पूर्वी हिस्से रीवा, शहडोल संभाग में भी बारिश हो सकती है। कुछ जिलों में ओले गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है।

मौसम बदल सकता... वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ, साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की वजह से मौसम बदल सकता है। रविवार को प्रदेश में सबसे गर्म मंडला रहा यहां का अधिकतम तापमान 39.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मप्र में अधिकतम तापमान वाले शहर

शहर	तापमान
मंडला	39.0
बैतूल	8.5
धार	38.4
नरसिंहपुर	38.2
खरगोन	37.8

बारिश-ओले के बाद चलेगी लू... अप्रैल महीने की शुरुआत में भले ही बारिश और ओले का अलर्ट जारी किया गया है, लेकिन इसके बाद लू का असर रह सकता है। मालवा-निमाड़ यानी इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में लू चलने की संभावना ज्यादा है, जिनमें रतलाम, उज्जैन, खरगोन, खंडवा, धार शामिल हैं।

3 राज्यों में हीटवेव, रायपुर में पारा 40 पार

नई दिल्ली, एजेंसी

मौसम विभाग ने रविवार को ओडिशा, पश्चिम बंगाल, और गुजरात में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। वहीं, उत्तर भारत में तेज हवाओं के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हवाएं चलने की संभावना... राजस्थान में उत्तरी हवा चलने से सुबह-शाम गुलाबी ठंड का एहसास हो रहा है। कुछ शहरों में रात का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। मध्यप्रदेश में भी मौसम बदलेगा। अप्रैल के पहले सप्ताह में ओले, बारिश और आंधी का अलर्ट है। इधर, छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में तापमान 40.2 डिग्री पहुंच गया। दिल्ली, पंजाब, चंडीगढ़, राजस्थान समेत उत्तर-पश्चिम राज्यों में 20-30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है।

आरएसएस मुख्यालय के साथ ही दीक्षाभूमि का दौरा कर मोदी ने गजब का राजनीतिक संतुलन साधा है

नीरज कुमार दुबे

भाजपा ने संघ के साथ संबंधों में सुधार किया जिसके चलते पार्टी को हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में विधानसभा चुनावों में जोरदार जीत मिली थी। दूसरी ओर, संघ और भाजपा के बीच मतभेदों को दोनों ही संगठनों के नेता नकारते हैं और कहते हैं कि ऐसी बातें वही लोग करते हैं जो भाजपा और संघ को नहीं समझते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागपुर यात्रा के दौरान आरएसएस मुख्यालय स्थित हेडगेवार स्मृति मंदिर का दौरा कर नया इतिहास रच दिया क्योंकि संघ के 100 वर्षों के इतिहास में दूसरी बार देश का कोई प्रधानमंत्री राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय पहुँचा था। हम आपको याद दिला दें कि तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने वर्ष 2000 में अपने तीसरे कार्यकाल के दौरान नागपुर में संघ मुख्यालय का दौरा किया था। संयोग देखिये कि मोदी भी अपने तीसरे कार्यकाल के दौरान ही संघ मुख्यालय पहुँचे। मोदी के संघ मुख्यालय के दौरे पर जहां विपक्ष बौखला रहा है वहीं इस यात्रा ने आरएसएस के भीतर भी कई लोगों को सुखद आश्चर्य में डाल दिया है। वैसे कुल मिलाकर मोदी की इस यात्रा को भाजपा और आरएसएस द्वारा आपसी मतभेद दूर करने और एकजुट होने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से नागपुर में अपने संबोधन के दौरान आरएसएस की भरपूर प्रशंसा को अपने वैचारिक मार्गदर्शक के प्रति भाजपा के रुख में आये बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। हम आपको याद दिला दें कि पिछले साल लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि भाजपा उस समय से आगे बढ़ चुकी है जब उसे आरएसएस की जरूरत थी और अब वह 'सक्षम' है तथा अपने काम खुद करती है। नड्डा की इस टिप्पणी से संघ कार्यकताओं में रोष उत्पन्न हो गया था और लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा और आरएसएस के बीच दूरी देखी गयी थी जिसका नुकसान भाजपा को लोकसभा में बहुमत गंवा कर उठाना पड़ा था।

हालांकि लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद भाजपा ने संघ के साथ संबंधों में सुधार किया जिसके चलते पार्टी को हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में विधानसभा चुनावों में जोरदार जीत मिली थी। दूसरी ओर, संघ और भाजपा के बीच मतभेदों को दोनों ही संगठनों के नेता नकारते हैं और कहते हैं कि ऐसी बातें वही लोग करते हैं जो भाजपा और संघ को नहीं समझते हैं। वैसे जानकारों का यह भी कहना है कि संघ को मुख्य आपत्ति इस बात पर थी कि भाजपा एक व्यक्ति केंद्रित पार्टी बनती जा रही है। हम आपको याद

दिला दें कि साल 2014 के बाद "मोदी ब्रांड राजनीतिह्न के तहत भाजपा सारे चुनाव लड़ती रही है। लोकसभा चुनावों के बाद भाजपा ने अन्य नेताओं को भी आगे बढ़ाया है और आने वाले समय में दूसरी पंक्ति के कई और नेताओं को बड़ी भूमिकाएं मिलने जा रही हैं। वैसे, आरएसएस के शताब्दी समारोह और बेंगलुरु में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से पहले प्रधानमंत्री की नागपुर यात्रा इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि भाजपा जल्द ही अपने नये राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करने वाली है। हालांकि हाल ही में संघ की ओर से स्पष्ट किया गया था कि उसके सभी आनुषांगिक संगठन अपने कार्यों के बारे में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेते हैं लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि साल 2009 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की करारी हार के बाद मोहन भागवत के हस्तक्षेप के बाद ही लालकृष्ण आडवाणी युग समाप्त हुआ था और मोदी आगे लाये गये थे। साल 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के खराब प्रदर्शन के बाद मोहन भागवत की कुछ टिप्पणियों को पार्टी नेतृत्व और प्रधानमंत्री मोदी की सीधी आलोचना के रूप में भी देखा गया था। इसलिए ऐसा हो नहीं सकता कि भाजपा अपने नये अध्यक्ष के नाम पर बिना संघ प्रमुख से चर्चा किये बिना फैसला कर ले।

हम आपको यह भी बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्रियों और वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने पूर्व में सावधानी बरतते हुए सरकार और संघ के बीच अंतर सुनिश्चित किया लेकिन मोदी चूंकि खुद संघ के प्रचारक रहे हैं इसलिए वह संघ की तारीफ करने में नहीं चूकते। हाल ही में तीन बड़े मौके आये जब मोदी ने अपने जीवन को सही मार्गदर्शन देने के लिए संघ का आभार जताया और इस सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन की भरपूर प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने नागपुर में भी आरएसएस को एक ऐसे संगठन के रूप में संदर्भित किया जिसने ₹समर्पण और सेवा के उच्चतम सिद्धांतों को कायम रखा'। साथ ही उन्होंने संघ की ₹राष्ट्र निर्माण और विकास में रचनात्मक भूमिका₹ को रेखांकित करके अपनी ₹2047 तक विकसित भारत₹ की योजनाओं में संघ की भूमिका के महत्व को भी दर्शाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ मेले में ह्नमहत्वपूर्ण भूमिकाह्न निभाने के लिए भी स्वयंसेवकों को श्रेय दिया था। इसके अलावा, हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस द्वारा की जाने वाली सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने पर लगाए गए प्रतिबंध को भी हटा दिया गया था। यही नहीं, जिस तरह भाजपा के वरिष्ठ नेता गठबंधन सरकार होने के बावजूद अपने मूल एजेंडे में शामिल मुद्दों पर आगे बढ़ने की बात कर रहे हैं वह इस बात का संकेतक है कि आरएसएस के कुछ मुख्य एजेंडे भाजपा की राजनीति में फिर से सबसे आगे आ रहे हैं।

बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संघ मुख्यालय के दौरे के साथ ही डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के पंचतीर्थों में से एक दीक्षाभूमि का भी दौरा कर राजनीतिक संतुलन साधने की कोशिश की। प्रधानमंत्री ने संघ मुख्यालय में दिये गये अपने संबोधन में भी बाबा साहेब को याद किया और भारतीय संविधान की भरपूर प्रशंसा की। प्रधानमंत्री मोदी ने आरएसएस मुख्यालय में डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर का दौरा कर संघ के संस्थापकों को श्रद्धांजलि अर्पित की साथ ही वह दीक्षाभूमि भी गए, जहां डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने 1956 में अपने हजारों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था। मोदी दीक्षाभूमि स्थित स्तूप के भीतर गए और वहां रखी आंबेडकर की अस्थियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मोदी ने जहां आरएसएस को भारत की अमर संस्कृति का 'वट वृक्ष' बताया वहीं उन्होंने दीक्षाभूमि की सामाजिक न्याय और दलितों को सशक्त बनाने के प्रतीक के रूप में सराहना करते हुए डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के सपनों के भारत को साकार करने के लिए और भी अधिक मेहनत करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहरा कर सबका दिल जीत लिया। इस तरह मोदी ने नागपुर यात्रा से जो संदेश दिया है वह यह है कि भारतीय संविधान के दायरे में रह कर काम करते हुए अपने वैचारिक संगठन की विचारधारा को आगे बढ़ाते रहेंगे।

गणगौर तीज " पर मातृशक्ति ने गणगौर माता की पूजा अर्चना की

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: विश्व हिन्दू परिषद की मातृशक्ति के द्वारा आज " गणगौर तीज " पर मातृशक्ति की विभागीय सतसंग प्रमुख मिथलेश कौसिक के निवास स्थान पर गणगौर माता की पूजा अर्चना की सभी बहनों ने अपने अपने सुहाग अखण्ड रहे ऐसी माता रानी से कामनायें की और एक दूसरे को गणगौर की शुभकामनायें देते हुए सिंगरा भेंट किया गंगौर के गीत गाए भजन कीर्तन किये सब खुशी से नाचे गाए जिसमें उपस्थिति मातृशक्ति की विभागीय सतसंग प्रमुख स्वयं उपस्थिति रही और संग की ज़िला बाल सस्कार प्रमुख साधना देवड़ा सुनीता कौशिक चंदा सिंह शशि कटारा उषा परमार साधना ममता शर्मा सहित कई मातृशक्ति उपस्थित रही।

कठूमर में चोरी की घटना: सूने मकान से 75 हजार नगदी सहित सोने-चांदी के जेवर ले गए बदमाश

मरुधर विशेष। दिनेश लेखी

कठूमर । कस्बे के मुख्य बाजार में अज्ञात चोर सूने मकान में से लाखों की रूपए की नगदी व आभुषण चोरी कर ले गये।?जबकि पुलिस की गश्त लगी रहती है। मकान मालिक प्रेमचंद जैन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि तीस मार्च को सुबह हम सभी घर वाले जयपुर में जैन समाज के दीक्षा समारोह में भाग लेने गये थे कि रात्रि करीब साढ़े बारह बजे वापिस अपने घर आये तो घर की दूसरी मंजिल पर स्थित कमरे में रखा बक्स का ताला खुला हुआ है। और कपड़े इधर उधर बिखरे हुए थे और बाक्स में रखे 75 हजार रुपए व तीन अंगुठी सोने व एक जोड़ी सोने के कुंडल चोरी हो गए इसके बाद चोरो ने प्रथम मंजिल की सीढ़ियों पर रखे गल्ला में से भी बिक्री के पचास हजार रुपए चोरी कर लिये। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का मौका मुआयना किया।

चिंतन-मनन

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं।

प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते।

इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो!

इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है।

लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

चोर का धन चांडाल खाए, पापी मुंह देखता रह जाए

सनत जैन

बहुत पुरानी कहावत है चोर का धन चांडाल खाए पापी मुंह देखता रह जाए यह कहावत पीढ़ी दर पीढ़ी सुनाई जाती है। यह कहावत वर्तमान युग में भी ज्यादा सटीक बैठती है। वर्तमान समय में चोर, सूदखोर, लालची और अनैतिक ढंग से पाप का पैसा कमाने वाले लोगों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। पाप की कमाई का धन वह स्वयं तो नहीं खा पाते हैं। उस धन का उपयोग चांडाल के भाग्य और ऐसो-आराम में होता हैं। जिसका धन होता है, वह डर और भय के मारे उसका उपयोग ही नहीं कर पाता है। वह जिसके पास और जहां धन रखता है। वह उसी का होकर रह जाता है। आज यह संपादकीय लिखने का मन इसलिए हुआ। दुबई से संचालित फॉरेक्स ट्रेडिंग कंपनियों में लाखों भारतीयों ने अपने काले धन को निवेश किया है। ब्याज और ज्यादा कमाई के लालच में अपनी पाप की कमाई को भारतीय, ऐसी कंपनियों में निवेश कर रहे हैं। जो ज्यादा ब्याज और मुनाफा देने का लालच देती हैं। महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हुए लोग अनैतिक रूप से भारी कमाई करते हैं। उस कमाई को छिपाने के लिए वह अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और बेनामी लोगों के नाम पर संपत्ति खरीद लेते हैं। ज्यादा कमाई और ब्याज के लालच में सूदखोरों के पास जमा करा देते हैं। कमाई के चक्कर में वह अपने अर्जित धन को स्वयं के उपर खर्च भी नहीं कर पाते हैं। चोर को हमेशा भय रहता है, चोरी का माल उसने खर्च किया, तो वह पकड़ लिया जाएगा। रिश्वतखोरों को डर रहता है, कि यदि उसने अपनी कमाई से ज्यादा खर्च किया, तो वह पकड़ा जाएगा। सूदखोर अपने धन का उपयोग इसलिए नहीं कर पाता है। उसे हमेशा लगा रहता है, यदि यह पैसा ब्याज में चला देंगे, तो इतनी कमाई होगी। करोड़ों रुपए कमाने वाला सूदखोर भी अपने और अपने परिवार के ऊपर धन को खर्च नहीं कर पाता है। कुछ ऐसी ही स्थिति बड़े-बड़े उच्च पदों और सरकारी पदों पर बैठे हुए लोगों की होती है। जिनकी कमाई बहुत होती है, वह इसलिए खर्च नहीं कर पाते हैं। यदि वह खर्च करेंगे तो लोगों की नजर में आ जाएंगे। उनका पद खतरे में पड़ जाएगा। भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारी जो पति-पत्नी के रिश्ते में थे। उन्होंने अरबो रुपए की कमाई रिश्वत के रूप में की थी। दोनों जब पकड़े गए और प्रकरण चलते-चलते दोनों की मृत्यु भी हो गई। वह अपने धन का उपयोग नहीं कर पाए। वर्तमान में लोगों का लालच इतना बढ़ गया है। वह अपने धन का उपयोग करने के स्थान पर ज्यादा कमाने के चक्कर में ऐसी कंपनियों में निवेश कर देते हैं, जहां से ज्यादा लाभ मिलने की संभावना होती है। दुबई से संचालित कंपनियों में अरबो रुपए का निवेश भारतीयों द्वारा किया गया है। कंपनी के संचालकों ने पहले भारत में धोखाधड़ी की, भारत से कमाया हुआ धोखाधड़ी का धन लेकर दुबई चले गए। नए नामो से कंपनियां खोल लीं। उनके एजेंट भारत में लालच देकर बड़े-बड़े धन्ना सेठों और अवैध कमाई वालों को दुबई लेकर जाते हैं। उनके ऊपर लाखों रुपए खर्च करते हैं। लालच देकर उनसे अरबो रुपए का निवेश करा लेते हैं, उसके बाद उनकी कंपनी और कर्ता-धर्ता गायब हो जाते है। उनके फोन भी बंद हो जाते हैं। जमा मूलधन गायब हो जाता है। धन वापसी के लिए वह कानूनी कार्रवाई भी नहीं कर पाते हैं। उन्होंने अनैतिक तरीके से वह धन कमाया होता है। भारत जैसे देश में आयकर विभाग से कमाई छिपाते हैं, टैक्स नहीं देते हैं। गलत तरीके से पैसा विदेश भेज देते हैं। ईड़ी और अन्य जांच एजेंसियों के डर से वह कानूनी कार्रवाई भी नहीं कर पाते हैं। अवैध तरीके से कमाया हुआ चोरी का धन उनके हाथ से निकलकर चांडलो के पास पहुंच जाता है। वही चांडाल उस पैसे पर ऐश करते हैं। देश और विदेशों में इस तरह के चांडाल बड़ी मात्रा में कुकुरमुत्ता की तरह लोगों के लालच को जगाते हैं। फिर उनका जमा धन हड़प कर लेते हैं। जब धन चला जाता है, तो वह रो भी नहीं पाते हैं। यदि वह रोएंगे तो मूर्ख भी समझे जाएंगे। सरकार उल्टा टैक्स वसूल करने की प्रक्रिया शुरू कर देगी। जो होगा वह भी चला जाएगा।

वर्तमान स्थिति में यह कहा जा सकता है। चोर, सूदखोर, लालची और पापी अपने बनाया धन का उपभोक्ता नहीं कर सकते हैं। उनके धन पर हमेशा डाकुओं और चांडालों का ही हक होता है। इस बात को हर कोई जानता है। मानता कोई नहीं है। जिसके कारण लोग लुटते हुए चले आ रहे हैं। जिनके भाग्य में उस धन का उपयोग करना लिखा रहता है, वही एसो आराम करते हैं। भारत में इस तरह की ठगी कर-के अरबों रूपया लूटकर हजारों लोग विदेश भाग गए हैं। जो लूटे हैं, वह उन्हें कोस रहे हैं। जिनके भाग्य में उस धन का उपयोग करना था। वह विदेश भाग कर वहां ऐश कर रहे हैं।

घोर कलयुग की दस्तक: नैतिक पतन के चलते खतरे में इंसानी रिश्ते

डॉ. सत्यवान सौरभ

समाज में कितना पतन बाकी है? यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है? महिला ने जेठ के साथ मिलकर अपने दो वर्ष के बेटे को मरवा दिया। पत्नी ने प्रेमी सँग मिलकर मर्चेंट नेवी मे अफसर पति के टुकड़े-टुकड़े किये। पिता ने नौकर से अपने बेटे की हत्या करवायी। माँ,बाप,भाई, दोस्त,पार्टनर को मारने की खबरें आम हैं। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। अपराध और नैतिक पतन की ये घटनाएँ यह दशार्ती हैं कि कहीं न कहीं हमारी सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्य और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर संकट है। लेकिन यह भी ध्यान देने की बात है कि नकारात्मक घटनाएँ समाचारों में ज्यादा दिखाई देती हैं, क्योंकि वे लोगों का ध्यान आकर्षित करती हैं। समाज में आज भी बहुत से लोग हैं जो प्रेम, सहयोग और नैतिकता से भरे हुए हैं। हमें जरूरत है कि हम अच्छाई को भी उतना ही महत्त्व दें और समाज को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। इस पतन के कारणों को समझकर समाधान निकालना जरूरी है– परिवारों में संवाद बढ़ाना, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना, नैतिक शिक्षा को मजबूत करना और अपराध रोकने के लिए सख्त कदम उठाना। हमें यह भी सोचना होगा कि हम किस तरह के मूल्यों को बढ़ावा दे रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसा समाज बना रहे हैं। समाज के पतन को पूरी तरह रोकना कठिन हो सकता है, लेकिन हम सब मिलकर इसे धीमा कर सकते हैं और सही दिशा में मोड़ सकते हैं।

आज के समय में जब हम समाचार पत्रों और सोशल मीडिया पर नजर डालते हैं, तो चारों ओर अपराध, धोखा, हिंसा और नैतिक पतन की खबरें देखने को मिलती हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि समाज घोर कलयुग के प्रभाव में प्रवेश कर चुका है। पारिवारिक सम्बंधों में विश्वास की कमी, नैतिक मूल्यों का ह्रास और भौतिक सुखों की अंधी दौड़ ने मानवीय संवेदनाओं को कमजोर कर दिया है। समाज में नैतिकता, रिश्तों की अहमियत और मानवीय संवेदनाएँ धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही हैं। हत्या, विश्वासघात, स्वार्थ, लालच और नैतिक पतन की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। यह देखकर ऐसा लगता है कि समाज एक अंधकारमय दौर की ओर बढ़ रहा है। यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। समाज में जिस तरह से नैतिक पतन बढ़ रहा है, वह केवल अपराधों की संख्या नहीं बल्कि पारिवारिक और सामाजिक ताने-बाने के टूटने का संकेत भी देता है।

समाज में रिश्तों की अहमियत धीरे-धीरे कम होती जा रही है और इसके कई कारण हो सकते हैं। पहले जहाँ रिश्तों में अपनापन, विश्वास और त्याग होता था, वहीं अब स्वार्थ, लालच और दिखावे ने उनकी जगह ले ली है। माता-पिता, भाई-बहन, पति-पत्नी और दोस्तों के बीच भी आजकल स्वार्थ और लालच हावी होता जा रहा है। परिवार, जो पहले प्रेम और सहयोग का केंद्र हुआ करता था, अब झगड़ों और आपसी मतभेदों का शिकार बनता जा रहा है। छोटी-छोटी बातों पर हत्या, बलात्कार, लूटपाट और धोखाधड़ी जैसी घटनाएँ बढ़ रही हैं। परिवार के सदस्य तक एक-दूसरे के जीवन को खतरे में डाल रहे हैं। लोग नैतिकता और ईमानदारी को छोड़कर किसी भी तरह से धन और सफलता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं, चाहे उसके लिए उन्हें किसी का शोषण ही क्यों न करना पड़े। पहले लोग जीवन में धैर्य रखते थे, कठिनाइयों को सहन करते थे, लेकिन आजकल गुस्सा और अधीरता लोगों पर हावी हो गई है। छोटे-छोटे विवाद हिंसक रूप लेने लगे हैं। धर्म केवल दिखावे का साधन बनता जा रहा है, जबकि नैतिकता और ईमानदारी की कीमत घटती जा रही है। लोग दूसरों को नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं लेकिन खुद सही राह पर नहीं चलते। पहले संयुक्त परिवार होते थे, जहाँ बुजुर्गों का मार्गदर्शन रहता था। लेकिन अब व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आधुनिकता के नाम पर पारिवारिक मूल्यों में कमी आ रही है। आर्थिक दबाव, रिश्तों में तनाव और व्यक्तिगत इच्छाओं के टकराव से लोग मानसिक रूप से अस्थिर हो रहे हैं, जिससे वे गलत फैसले लेते हैं। इंटरनेट पर हिंसा, अपराध और अनैतिकता को कहीं न कहीं सामान्य बना दिया गया है। लोग बिना सोचे-समझे चरम कदम उठा लेते हैं। स्कूलों और परिवारों में बच्चों को सही और गलत का फर्क.कम सिखाया जा रहा है। लालच, ईर्ष्या और व्यक्तिगत स्वार्थ बढ़ रहे हैं। अपराधी जानते हैं कि सजा मिलने में देरी होगी या बचने का रास्ता मिल जाएगा, जिससे अपराधों की संख्या बढ़ रही है।

समाज में जो घटनाएँ हो रही हैं, उन्हें देखकर यही लगता है कि हम घोर कलयुग के दौर में प्रवेश कर चुके हैं। जहाँ पहले रिश्ते, प्रेम, सम्मान और नैतिकता को महत्त्व दिया जाता था, वहीं अब स्वार्थ, लालच, क्रोध और हिंसा हावी होते जा रहे हैं। समाज में बढ़ते अपराधों को देखकर ऐसा लगता है कि इंसानियत, सहनशीलता और प्रेम धीरे-धीरे खत्म होते जा रहे हैं। लेकिन अगर परिवार, समाज और सरकार मिलकर सही कदम उठाएँ, तो इस गिरावट को रोका जा सकता है। पारिवारिक मूल्यों को पुनर्जीवित करने के लिए माता-पिता को बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए, उन्हें नैतिक शिक्षा देनी चाहिए और सही-गलत का फर्क.समझाना चाहिए। तनाव, अवसाद और गुस्से से जुड़ी समस्याओं को नजरअंदाज न किया जाए। जरूरत हो तो थेरेपी और काउंसलिंग को अपनाया जाए। अपराधियों को कड़ी सजा मिले और कानूनी प्रक्रिया तेज हो, ताकि अपराधियों में डर बना रहे। सकारात्मक कहानियों और नैतिकता से जुड़े कंटेंट को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे समाज में अच्छे मूल्यों की प्रेरणा मिले। स्कूलों में नैतिक शिक्षा, सहानुभूति और सामाजिक मूल्यों पर जोर दिया जाए। समाज में नैतिकता और इंसानियत बनाए रखने के लिए हम सबको अपनी ज़िम्मेदारी निभानी होगी। यह केवल सरकार या कानून का काम नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति को अपने स्तर पर बदलाव लाने की जरूरत है।

घोर कलयुग के इस समय में भी अगर हम अपने कर्मों को सही दिशा में रखें, तो यह अंधकार थोड़ा कम हो सकता है। समाज में नैतिकता और इंसानियत बनाए रखने के लिए हमें खुद से शुरूआत करनी होगी। हम केवल सरकार और कानून व्यवस्था को दोष नहीं दे सकते, बल्कि हमें अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में बदलाव लाने होंगे। घोर कलयुग के इस समय में भी यदि हम अपने कर्मों को सही दिशा में रखें, तो समाज में अच्छाई का पुनर्जागरण संभव है। हमें यह तय करना होगा कि हम इस अंधकार में खो जाना चाहते हैं, या फिर अपने प्रयासों से रोशनी की एक नई किरण लाना चाहते हैं।

शाहजहांपुर में पर्यावरण संरक्षण हेतु युवाओं ने किया वृक्षारोपण

मरुधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) शाहजहांपुर कस्बे के युवाओं ने पर्यावरण संरक्षण के तहत रविवार को वृक्षारोपण किया गया।युवाओं ने तख्ती पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश लिख लोगो को पर्यावरण की सुरक्षा करने तथा अधिक से अधिक संख्या में पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया। पेड़ों की कटाई नहीं करने का संकल्प लिया।समाज सेवी जीतू यादव का कहना है की प्रकृति ने हमे जीवन निर्वहन के लिए अनेक सुंदर उपहार दिए हैं उनमे से प्रकृति द्वारा दिया गया पेड़-पौधा अनमोल उपहार है इसलिए इसका संरक्षण करना हम सभी का उत्तरदायित्व बनता है । पर्यावरण के संतुलन और स्वस्थ जीवन के लिए वृक्षारोपण बहुत जरूरी है।इस अवसर पर समाजसेवी जीतू यादव, वीरेंद्र चौहान, अभिषेक यादव, कमल, पवन चौधरी, टीनू जांगिड़, जॉनी चौहान आदि लोग मौजूद रहे।

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के अंतर्गत जिला स्तरीय निवेश उत्सव आयोजित

जिले में राइजिंग राजस्थान के तहत 396 एमओयू किए गए, 30 की ग्राउंड ब्रेकिंग की गई

तीन लाख करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव का कार्य प्रारंभ

मरुधर विशेष

विजय सिंह/ मोहम्मद शकील खैरथल 31 मार्च। राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के तहत सोमवार को जयपुर में निवेश उत्सव राइजिंग राजस्थान इंपैक्ट 1.ह्न का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वीसी के माध्यम से प्रसारण जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा के सभागार में किया गया। जिला कलक्टर किशोर कुमार ने बताया कि राइजिंग राजस्थान के तहत जिले में 396 एमओयू किए गए हैं जिसके तहत जिले में लगभग 23500 करोड़ रुपए के निवेश होने हैं, जिनमें से 30 की ग्राउंड ब्रेकिंग की गई है। जिसके तहत 500 करोड़ रुपए के निवेश हुए हैं एवं करीब 1000 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। इसके साथ ही 12 एमओयू का क्रियान्वयन किया

गया है जिसके तहत 115 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। कई एमओयू प्रक्रियाधीन है जिनकी जल्द ही ग्राउंड ब्रेकिंग में आने की संभावना है। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने उद्योग एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान लॉजिस्टिक पॉलिसी, राजस्थान डाटा सेंटर पॉलिसी एवं राजस्थान टेक्सटाइल और अपैरल पॉलिसी का भी विमोचन किया। साथ ही, राइजिंग राजस्थान के निवेश प्रस्तावों की मॉनिटरिंग हेतु मोबाइल ऐप का शुभारंभ, निवेशकों को भू-आवंटन पत्र वितरण, राइजिंग राजस्थान के न्यूज लेटर का विमोचन एवं राजस्थान फाउंडेशन के 14 नये चैप्टर्स की शुरूआत के दिशा-निर्देश भी जारी किए।

कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर शिवपाल जाट,भाजपा जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी, अध्यक्ष,खुशखेड़ा कारौली इंडस्ट्रियल एसोसिएशन (के. के. आई. ए) प्रदीप दायमा, जिला शिक्षा अधिकारी राम सिंह यादव,वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक रीको प्रथम ज्ञानेंद्र शर्मा,नगर परिषद आयुक्त मुकेश शर्मा,महाप्रबंधक उद्योग विभाग,सुरजीत सिंह खोरिया सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी,उद्योगपति एवं उद्योग एवं वाणिज्य विभाग एवं रिको टीम उपस्थित रही।

धूमधाम से मनाया गणगौर का त्योहार:महिलाओं ने की पूजा-अर्चना

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: महिलाओं ने गणगौर माता के दर्शन कर मनौतियां मांगी। सभी महिलाओं ने सामूहिक पूजा-अर्चना की। सुहाग और समृद्धि की कामना के साथ महिलाओं ने मंगल गीत गाए। खीर और ढोकले का प्रसाद अर्पित कर जल ग्रहण किया।चैत्र महीने की शुक्ल पक्ष की तृतीया (तीज) को आता है। इस दिन कुँवारी लड़कियाँ एवं विवाहित महिलाएँ शिवजी (इसर जी) और पार्वती जी (गौरी) की पूजा करती हैं। पूजा करते हुए दूब से पानी के छींटे देते हुए "गोर गोर गोमती" गीत गाती हैं। इस दिन पूजन के समय रेणुका की गौर बनाकर उस पर महावर, सिन्दूर और चूड़ी चढ़ाने का विशेष प्रावधान है। चन्दन, अक्षत, धूपबत्ती, दीप, नैवेद्य से पूजन करके भोग लगाया जाता है।महिलाओ ने गणगौर की झाँकी गण (शिव) तथा गौर (पार्वती) के इस पर्व में कुँवारी लड़कियाँ मनपसन्द वर पाने की कामना करती हैं। विवाहित महिलायें चैत्र शुक्ल तृतीया को गणगौर पूजन तथा व्रत कर अपने पति की दीर्घायु की कामना करती हैं।

फौलादपुर के ग्रामीणों के प्रदर्शन से चेता पुलिस प्रशासन, सोसाइटी के पास लगवाई गार्डर

शाहजहांपुर कस्बे से बड़ोद रोड की तरफ गुजरते भारी वाहनों को रोकने का मामला

मरुधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) शाहजहांपुर हाइवे के टोल शुल्क को बचाने के लिए कस्बे के आबादी क्षेत्र से होकर निकलते भारी वाहनों पर अंकुश लगाने की मांग को लेकर रविवार को फ़ौलादपुर गांव के ग्रामीणों द्वारा जताए आक्रोश के साथ आंदोलन करने से चेते पुलिस प्रशासन ने आंदोलन के अगले ही दिन सोमवार को पूर्ववर्ती स्थान ईश्वरीसिंहपुरा आशादीप आवासीय सोसायटी के समीप गार्डर लगवादी गई। पुलिस प्रशासन द्वारा ग्रामीणों की मांग पर कार्यवाही करते हुए भारी वाहनों के आवागमन को रोकने के लिए लगवाई गार्डरों को लेकर वीर तेजा सेना युवा जिलाध्यक्ष परमजीत चौधरी, संदीप चौधरी सहित ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन का आभार जताते हुए हर्ष व्यक्त किया। गौरतलब है कि 18 दिसम्बर 2024 को शाहजहांपुर टोल प्लाजा पर टोल संग्रह एजेंसी के बदलने पर स्थानीय वाहनों के टोल से होकर गुजरने पर स्थानीय वाहनों पर निर्धारित टोल शुल्क छूट को बन्द कर दिया जाने पर स्थानीय ट्रांसपोर्टरों द्वारा ईश्वरीसिंह पुरा गांव सीमा के एरिया स्थित आशादीप सोसायटी के समीप लगी गार्डरों को हटा दिया गया था। जिससे टोल शुल्क बचा कर भारी वाहनों सहित अन्य छोटे वाहनों के शाहजहांपुर कस्बा आबादी एरिया वाया फ़ौलादपुर गांव से होकर गुजरने का शिलशिला बढ़ गया था। विगत तीन माह से वाहनों के आवागमन की बढ़ी संख्या से दुर्घटना बढ़ने की आशंका को लेकर रविवार को फ़ौलादपुर गांव के बस स्टैंड पर ग्रामीणों द्वारा धरना प्रदर्शन किया जाकर रोड़ जाम किया था। जिस पर शाहजहांपुर थानाधिकारी मनोहरलाल मीना ने आंदोलन कारी ग्रामीणों को दो दिनों में गार्डर लगाने का आश्वासन दिया था। पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आंदोलन के 24 घण्टो में ही गार्डर लगा ग्रामीणों को दिए आश्वासन को पूरा करने का काम किया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया है।

शाहजहांपुर में मुस्लिम समाज के द्वारा ईदुलफितर का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया

एक दूसरे को गले लगाकर दी शुभकामनाएं

मरुधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) शाहजहांपुर में मुस्लिम समाज ने सोमवार को ईदुलफितर का त्यौहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। इमाम जामा मस्जिद में मुस्लिम समाज के लोगों ने नमाज अदा की, जिसका नेतृत्व मौलवी सुलेमान ने किया। नमाज सुबह 8:30 बजे से शुरू होकर 9 बजे तक आयोजित हुई। ईदुलफितर के अवसर पर मौलाना मोहम्मद हनीफ ने कहा कि मुस्लिम समाज के लोगों को हिंदू समाज के साथ मिलजुल कर रहना चाहिए और आपसी भाईचारे की भावना कायम करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी को एक दूसरे की सहयोग की भावना और प्यार-प्रेम के साथ रहना चाहिए। इस अवसर पर ईदगाह मैदान पर शाहजहांपुर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। पुलिस ने सुनिश्चित किया कि कोई भी शांति व्यवस्था खराब न हो। ईदुलफितर का त्यौहार शांतिपूर्वक मनाया गया और लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर इमाम जामा मस्जिद के मौलवी सुलेमान,मौलवी मोहम्मद हनीफ, सामाजिक कार्यकर्ता नसीब अली खान, डॉक्टर फतेह मोहम्मद खान, नसीब खान, मुसद्दी लाल,अजीम खान, राजुद्दीन, राजू बेग ,अनवर, युसूफ, नसीब बेग, इमामुद्दीन, चमन बेग, डॉ परवेज ,वसीम अकरम, मंजूर अली अंसारी, मजहर अंसारी, पंच नजीर खान सहित काफी संख्या में मुस्लिम समाज के धर्मलंबी मौजूद रहे।

स्व. कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन

173 यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

मरुधर विशेष

कोटपूतली, गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष और एमबीसी समाज के मसीहा युग पुरुष स्व. कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की तृतीय पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन रामरतनदास महाराज के सानिध्य में किया गया। जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक 173 यूनिट स्वैच्छिक रक्तदान कर पुण्य कार्य में भाग लेकर स्व. कर्नल बैंसला की पुण्य आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान भाजपा नेता पूरणमल भरगड़, प्रो. जगराम कसाना, प्रधानाचार्य पूरण कसाना, व्याख्याता विक्रम घांघल, एड. दयाराम खटाणा, अंकित नून, लक्ष्मण मीणा, डेलीगेट दयाराम रावत, बसंत भरगड़, कैलाश रहीसा, हेमराज राहेड़ा, विशाल लताला, विजेन्द्र रावत, हवलदार दुलीचंद, हवलदार विजय, धोलाराम भरगड़, नरेश भरगड़, शेरसिंह सराधना, प्रदीप कसाणा, लालचंद कसाणा, सचिन भरगड़, टेकचंद यादव, आवेश कुमावत, दीपक सोनी, दिनेश सैनी, राहुल सैनी, राहुल मीणा, इशांत सैनी समेत अनेक युवा मौजूद रहे।

पंजड़े गाकर किया झूलेलाल भगवान की ज्योत साहिब को परवान

झांकियो के विजेता एवं सिंधी व्यंजन रेसिपी के विजेताओं को किया सम्मानित

मरुधर विशेष

विजय सिंह/ मोहम्मद शकील खैरथल । सिंधियत दिवस चेटीचंड महोत्सव पर आनंद नगर कॉलोनी स्थित झूलेलाल मंदिर से रात्रि 10 बजे झूलेलाल सेवा मंडल के बस्तियों द्वारा झूलेलाल मंदिर के संरक्षक बाबा शीतलदास लालवानी के सानिध्य में बहराणा साहिब की पवित्र अखंड ज्योत साहिब का नगर भ्रमण कराया गया। इस दौरान शहर के सब्जी मंडी एवं मुख्य बाजार स्थित झूलेलाल मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना कर बहराणा साहिब भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसके बाद बहराणा साहिब की यात्रा आनंद नगर कॉलोनी में मुख्य मुख्य स्थानों से निकली गई तथा जगह जगह पेशुमल शहनाई एंड पार्टी के द्वारा ढोलक एवं शहनाई की धुनों पर मन्नू मंघवानी,चतर ज्ञानवानी, तुलसीदास

भूरानी,अर्जुनदास असरानी, नारू रोघा, प्रेम प्रदनानी, श्याम केवलानी,मयंक बजाज,मुरली मुंजवानी,भगत देवीदास गिदवानी, किशोर माखीजा,भीष्म माखीजा, धर्मदास तलरेजा, दीपक लालवानी, कमल लालवानी,राजा मंगलानी,रोशन लालवानी, कल्याण अछडानी,योगी कोडवानी,दीपक ज्ञानवानी,भावन जोतवानी,प्रकाश मंगलानी आदि बस्तियों द्वारा डांडिया नृत्य, सिंधी छेज नृत्य प्रस्तुत किया। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं का हुजूम बहराणा साहिब की पवित्र अखंड ज्योत साहिब के दर्शनो के लिए उमड़ पड़ा । श्रद्धालुओं ने बहराणा साहिब की पवित्र अखंड ज्योत साहिब के दर्शन कर मन्नत मांगी तथा प्रसाद वितरित किया गया। इसके बाद आनंद नगर कॉलोनी स्थित झूलेलाल मंदिर में संपूर्ण रात्रि भजनों के माध्यम से झूलेलाल भगवान की महिमा का गुणगान किया गया इस दौरान भजन गायक चतर ज्ञानवानी, तुलसीदास बाबा दयालदास प्रदनानी,तुलसीदास भूरानी, मन्नू मंगवानी ने अपने अपने भजनों के माध्यमों से श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। इससे पूर्व पूज्य सिंधी पंचायत खैरथल एवं भारतीय सिंधु सभा खैरथल की ओर से झांकियां के विजेताओं एवं सिंधी व्यंजन रेसिपी के विजेताओं को पूज्य सिंधी पंचायत अलवर जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश रोघा,मुखी अशोक महलवानी,मुखी वासदेव दासवानी,भारतीय सिंधु सभा प्रदेश मंत्री गिरधारीलाल ज्ञानानी,संभाग प्रभारी प्रताप कटहरा,अध्यक्ष नत्थूमल रामनानी, व्यवस्थापक अर्जुनदास बाबानी, महेश आडतानी ,बाबूलाल गौरवानी ने पुरस्कृत सम्मानित किया।रात्रि आयोजित भंडारे में हज़ारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सुबह 7 बजे झूलेलाल मंदिर के संरक्षक बाबा शीतलदास लालवानी द्वारा भगवान झूलेलाल की आरती के पश्चात् पल्लव पाकर चेटीचंड महोत्सव का समापन किया गया। इस दौरान पूज्य सिंधी पंचायत,झूलेलाल सेवा मंडल, भारतीय सिंधु सभा, स्वामी ध्यानगिरी सेवा मंडल के सदस्यों ने व्यवस्थाओं को बनाए रखा।

धूमधाम व हर्षोल्लास से मना ईद उल फितर का पर्व हजारों की संख्या में

मुस्लिम भाईयों ने अदा की नमाज, देश में अमन, चैन व शांति की दुआ मांगी

पुलिस प्रशासन रहा चाक-चौबन्द

मरुधर विशेष

कोटपूतली (सीताराम गुप्ता) मार्च 2025 कस्बा सहित आसपास के क्षेत्र में सोमवार को ईद उल फितर का पर्व आपसी भाईचारे के साथ बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रविवार रात्रि को ईद का चाँद दिखाई देते ही मुस्लिम धर्मावलंबियों ने एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। वहीं सोमवार अल सुबह से ही बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग कस्बा स्थित मस्जिदो में एकत्रित होने लगे। इस मौके पर ईद की नमाज तीनों मस्जिदों में अदा की गई। जहाँ बहादुर शाह गाजी परिसर स्थित नूरी मस्जिद में मस्जिद के मौलवी व शाही ईमाम मौलाना अशफाक आलम के द्वारा ईद की नमाज अदा करवाई गई। वहीं कस्बे के आजाद चौक स्थित शाही मस्जिद में मौलाना फारूख अहमद ने व दिल्ली दरवाजा के जलेबी चौक स्थित हजरत बिलाल जामा मस्जिद में ईमाम व मौलवी मौलाना हनीस अहमद के द्वारा ईद की नमाज अदा करवाई गई। इस दौरान मुस्लिम अकीदतमंदों ने देश में अमन, चैन, भाईचारा, तरक्की, शांति व साम्प्रदायिक सौहार्द की दुआ माँगी। नमाज अदायगी के पहले सभी मुस्लिम भाई फितरा अदा करते हैं, एवं जकात अदा की जाती है उसके बाद मुस्लिम बंधुओं ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। वहीं घर घर में मीठी सिवईयों का आदान प्रदान भी हुआ। ईद उल फितर की नमाज रमजान पवित्र माह आता है। तीस रोजे रखने के बाद ईद का चाँद दिखाई देता है, उससे अगले दिन ईद उल फितर का पर्व मनाया जाता है। नमाज से पहले सभी मुस्लिम भाई फितरा अदा करते हैं एवं जकात अदा की जाती है। उसके बाद ईदगाह में ईद उल फितर की नमाज अदा होती है। सभी मुस्लिम भाईयों ने मदरसा बनने के कार्य में बढ़-चढकर हिस्सा लिया। कोटपूतली में मुस्लिम मदरसा की तामीर की जा रही है, जिसमें बच्चों को पढ़ाने में बहुत आसानी होगी। विधार्थियों को बाहर पढने के लिये नहीं जाना पड़ेगा। इस मौके पर कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए थानाधिकारी राजेश शर्मा सहित भारी संख्या में पुलिस जाप्ता तैनात रहा। इस दौरान ईरफान कुरैशी, जावेद कुरैशी, हनीफ कुरैशी, हाजी सद्दीक मोहम्मद, ईशाक मोहम्मद खान, शोकत अली खान, मेहराज खान, शहजाद कुरैशी, आसीन खान, नासीर खान, फक्करूद्दीन, शुभराती खान, शहजाद खान, मोहसिन खान भंडारी, एड. शहजाद खान, यूसुफ खान, असलम कुरैशी, लीला खां, जियालाल, मुख्त्यार खान, जलाल खान, मजीद खान, इशाक खान बीमा वाले, रफीक खान, हाजी सलीम लुहार, शोकत खान, अलीमुदीन मास्टर, शाहरुख टांक, एड. इस्माइल, जियालाल मास्टर, नाजिम खान, आसीन खान, सद्दाम हुसैन, नईम खान, आजाद कुरैशी, इलियास खान समेत बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबी मौजूद रहे। इसके अलावा ग्राम अजीतपुरा खुर्द स्थित अल मदीना सुन्नी मस्जिद में मस्जिद के इमाम गुलाब नबी ने नजाम अदा करवाई। जहाँ पवाना अहीर, सुजातनगर, भैंसलाना, कुजोता के मुस्लिम बंधुओं समेत अल्ट्राटेक सीमेंट कम्पनी के मुस्लिम कामगारों ने ईद की नजाम अदा की। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि राधा देवी पटेल, सुनील पटेल का माला, साफा पहनाकर व मिठाई खिलाकर ईद की मुबारकबाद दी। इस दौरान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष अब्दुल सत्तार खान, इंतजामया कमेटी के सदर मकबूल कुरैशी, महासचिव मन्नानुद्दीन कुरैशी, झुमरुद्दीन शाह, जमील कुरैशी, नसरुद्दीन कुरैशी, हकीम खान, आसीन खान, कयूमुद्दीन खान, मोहम्मद हुसैन हाफिज कुरैशी, कालू पंच मुस्ताक कुरैशी, लियाकत अली, जुम्मा कुरैशी, समेत बड़ी संख्या में मुस्लिम बंधु मौजूद रहे। इस दौरान सरूण्ड एसएचओ बाबूलाल मीणा जाप्ते के साथ मौजूद रहे। वहीं विभिन्न गाँवों में भी मुस्लिम समाज के द्वारा ईद उल फितर का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाये जाने के समाचार प्राप्त हुये हैं।

ईद का त्यौहार,भाईचारे को बढ़ाने वाला दिन है, हिन्दू-मुस्लिम भाईयों ने एक-दूसरे को ईद की बधाईयां दी

देश में अमन-चैन व भाईचारे से रहने की दुआएं मांगी

मरुधर विशेष

विजय सिंह/ मोहम्मद शकील किशनगढ़ बास 31 मार्च। किशनगढ़ बास व खैरथल कस्बा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में हिंदू-मुस्लिम भाईचारे की मिसाल देने वाले ईद उल फितर का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। अकीदत मंद रहमत शाह अल्वी ने बताया कि इस्लाम धर्म में रमज़ान का महिना सबसे पाक महिना माना गया है। इसी महिने आखरी नबी मुहम्मद साहब ऊपर कुरान शरीफ नाज़िल अवतरित हुई थी। यह महिना रहमतों, बरकतों वाला महिना है। इसमें मुस्लिम रोजे रखकर खुदा की इबादत कर अपने गुनाहों को माफ कराते हैं। चांद दिखने पर ईद मनाते हैं। गरीब, यतीमों को फितरा (दान) देते हैं ताकि गरीब लोग भी खुशियां मना सकें। ईद का त्यौहार, भाईचारे को बढ़ाने वाला दिन है। किशनगढ़-बास, स्थित टांकाहेड़ी में ईदुल-फितर की नमाज हाफिज शकील अहमद ने अदा कराई एक महिने के रमजान के बाद जैसे ही ईद का चांद दिखाई दिया। एक दूसरे को ईद की मुबारक बाद देना शुरू हो गई। हिन्दू-मुस्लिम भाईयों ने एक-दूसरे को ईद की बधाईयां दी। देश में अमन-चैन व भाईचारे से रहने की दुआएं मांगी। इस मौके पर रहमत शाह अल्वी, इरफान खाँ, नायब खाँ, सलीम खाँ, निजरूदीन आदि ने प्रशासन की व्यवस्था की सराहना की। परवेज आलम ने बताया कि खैरथल में भूड़ावाली में स्थित ईदगाह में मौलाना ईसब खान ने ईद की नमाज अदा कराई और देश में अमन-चैन व भाईचारे से रहने की दुआएं मांगी गई । इस दौरान हबीब, छंगा, परवेज आलम, असलम, ईसब, जददानाथ,अलीमुद्दीन,जाकर,हसनैन ,साहिल,नवीन सहित मुस्लिम समाज के काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कठूमर में गणगौर की सवारी देखना उमडा जन सैलाब, मेले में कई झांकियां बनी आकर्षण का केंद्र

एसडीएम श्याम सुंदर चेतीवाल और डीएसपी कैलाश जाट ने झांकियां को हरी झंडी की दिखा कर किया रवाना

मरुधर विशेष

दिनेश लेखी कठूमर । कस्बे का तीन दिवसीय गणगौर मेला सोमवार शाम चार बजे से लक्ष्मणगढ़ बस स्टैंड से ईसर गौरा की सवारी के साथ शुरू हुई। ईसर गौरा की सवारी को देखने हजारों की तादाद में क्षेत्रवासी उमड़ पड़े। बाजार और छते भीड़ से पट गई। मेले में चारो तरफ खचाखच भीड़ दिखाई दी। नगरपालिका अधिशासी अधिकारी नरसीलाल मीणा ने बताया कि लक्ष्मणगढ़ बस स्टैंड पर एसडीएम श्याम सुंदर चेतीवाल व डीएसपी कैलाश जाट व अन्य अतिथियों ने विधिवत् रूप से ईसर गौरा की पूजा कर शोभायात्रा को रवाना किया। इस मौके पर घोड़ियों के नाच लोगों को मंत्रमुग्ध कर रहा था। शोभायात्रा में ढोला मारू की? झांकी, , राधाकृष्ण , शंकर पार्वती, पाताल अघोरी, बाहुबली हनुमान, खाटूश्यामजी, कच्ची घोड़ी, शिव बारात , भगवान वाल्मीकि, महाराजा सूरजमल, आदि एक दर्जन से अधिक झांकियों सहित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया । इसके अलावा शोभायात्रा में कई समाजों की शिक्षा प्रद व ऐतिहासिक झांकियां प्रर्दशित की गई। मुख्य बाजार में बम रसिया दलों की अद्भुत लोक गायकी व लोकनृत्यो ने समां बांध दिया।

इधर मेले में झुले पर बच्चों की भीड़ मौजूद रहीं। सौंदर्य प्रसाधन, बच्चों के खिलोने,चाट पकौड़ी की खूब बिक्री हुई। जगह जगह स्वयंसेवी संस्थाओं एव व्यक्तिगत लोगों ने पीने के पानी व शरबत का इंतजाम किया। नगरपालिका प्रशासन की ओर से पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की गई और पुलिस की ओर कानून व व्यवस्था बनाए रखने के लिए जगह जगह बल तैनात रहा। मेले की शुरुआत विधायक रमेश खींची ने सोमवार सुबह मेला ग्राउंड में विधि विधान से पूजा अर्चना कर ध्वजारोहण कर मेले की औपचारिक शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने कहा की गणगौर मेला क्षेत्र का ऐतिहासिक मेला है और यह हमारी पुरानी संस्कृति का परिचायक है। उन्होंने पुलिस व? प्रशासन से मेले में सख्त कानून व्यवस्था बनाए रखने व असमाजिक तत्वों पर कारवाई करने, मेले सहित कुश्ती दंगल में पर्याप्त बल लगाने के निर्देश दिए। इस मौके पर निवर्तमान चैयरमेन शेर सिंह मीणा, गोपेश भारद्वाज, जाट समाज के अध्यक्ष कल्लूराम बेरका सहित क्षेत्र के अनेक सरपंच, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, मेला कमेटी के सदस्य नगर पालिका कर्मचारी मौजूद थे। कस्बे के मैन बाजार में शोभायात्रा के दौरान श्रीराम की झांकी की बग्घी जगह कम होने फंस गई। जिससे करीब चालीस मिनिट तक शोभायात्रा जाम हो गई। और इस झांकी को दूसरे रास्ते से निकाला गया।

आज के कार्यक्रम

मेले के दूसरे दिन हौद वाली बगीची पर कुश्ती दंगल रात्रि को विजेन्द्र सिंह चौधरी के मेला ग्राउंड पर कवि सम्मेलन आयोजित होगा

हर्षोल्लास के साथ में मनाया गया ईद उल फितर का त्योहार खुदा की बारगाह में झुके हजारों सर

मरुधर विशेष

संवाददाता सलीम खान डीग,कामां -कामां में ईद उल फितर का त्यौहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ में मनाया गया। लाखों नमाजियों ने ईदगाह और मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की। मुसलमानो के एक महीने के रमजान पूरे होने के बाद में ईद का चांद दिखने पर ईद उल फितर का त्यौहार मनाया जाता है, ईद से पहले मुस्लिम समाज के लोग गरीबों को जकात और फितरा निकालते हैं जिससे कि उनके घर में भी खुशी के साथ में ईद मन सके। ईद की नमाज से पहले गरीबों का विशेष ध्यान रखा जाता है। रोजा रखने वालों के लिए इनाम है ईद का दिन, कामां की अब्बासी कॉलोनी की जामा मस्जिद में मौलाना नूर शहीद रजा ने सुबह 9:00 बजे ईद उल फितर की नमाज अदा कराई तो वही ईदगाह में मौलाना हारून ने ईद उल फितर की नमाज अदा कराई, ईद उल फितर के दिन हजारों लोगों ने खुदा की बारगाह में सजदा किया और अपने देश में अमन और शांति के लिए दुआएं की ईद के दिन हिंदू भाइयों ने भी ईदगाह पहुंचकर के मुस्लिम समाज को ईद की मुबारकबाद पेश की तो वही सुरक्षा को लेकर कामा थाना अधिकारी अनिल गौतम के नेतृत्व में पुलिस जाब्ता ता मौजूद रहा ईद की नमाज होने के बाद में लोगों ने एक दूसरे से गले लगकर ईद की मुबारकबाद पेश की।

रामेश्वर गुर्जर बने अखिल भारतीय युवा गुर्जर महासभा राजस्थान के प्रदेश संयोजक

मरुधर विशेष

संवाददाता सलीम खान जयपुर, -- अखिल भारतीय गुर्जर महासभा राजस्थान प्रदेश की बैठक जयपुर स्थित प्रदेश कार्यालय "गुर्जर की थड़ी" पर राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बच्चू सिंह बैसला के नेतृत्व में संपन्न हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दीपक पुरुषोत्तम पाटील द्वारा श्री रामेश्वर गुर्जर को अखिल भारतीय युवा गुर्जर महासभा राजस्थान प्रदेश संयोजक के रूप में आगामी तीन वर्षों के लिए नियुक्त किया गया। रामेश्वर गुर्जर की समाज, संगठन और राष्ट्र के प्रति निष्ठा, समर्पण और सक्रियता को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी निरंतर समाज सेवा और संगठनात्मक दक्षता को देखते हुए शीर्ष नेतृत्व ने उनके नेतृत्व में समाज को सशक्त करने का विश्वास व्यक्त किया है। अपनी नियुक्ति पर रामेश्वर गुर्जर ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह समाज की एकता और विकास के लिए पूर्ण निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर कर गुर्जर समाज को एक आदर्श व अग्रणी समाज बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने का संकल्प लिया।

2 अप्रैल को कसारवाड़ी शिवंकरी महाविद्यालय के मैदान परिसर में भाजपा जिलाध्यक्ष पूंजीलाल जी गायरी का सम्मान कार्यक्रम

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: सज्जनगढ उपखंड के डूंगराछोटा में भारतीय जनता पार्टी मंडल डूंगराछोटा की कार्यकारणी की बैठक आयोजित की गई। महामंत्री कमलेश पारगी, नवीन डांगर ने बताया की आगामी 2 अप्रैल को कसारवाड़ी शिवंकरी महाविद्यालय के मैदान परिसर में भाजपा जिलाध्यक्ष पूंजीलाल जी गायरी का सम्मान कार्यक्रम आयोजित होना है। भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष पुंगीलाल गायरी,पूर्व मंत्री महेंद्रजीत मालवीय,पूर्व सांसद धनसिंह रावत,राजेश कटारा,हकरू मईडा,पूर्व संसदीय सचिव भीमाभाई, जिला महामंत्री दीपसिंह वसुनिया सहित समस्त स्वागत समारोह कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे, मंडल अध्यक्ष हिम्मत मेरावत ने बताया की जिलाध्यक्ष और उनके साथ आने वाले समस्त नेताओं के स्वागत के लिए मंडल डूंगरा छोटा के कार्यकर्ता बड़े आतुर है। कार्यों का विभाजन कर दिया हे स्वागत समारोह कार्यक्रम हेतु सम्पूर्ण तैयारियां हो चुकी हे, उक्त स्वागत कार्यक्रम को सफल बनाने में मंडल की कार्यकारणी, वरिष्ठ कार्यकर्ता फिल्ड में जाकर सम्पर्क कर रहे है।

14 अप्रैल को मनाया जाएगा डॉ भीमराव अंबेडकर का जन्मदिवस कस्बे में मुख्य बाजार से होकर निकलेगी शोभा यात्रा

जाटवान बगीची बड़ा मोहल्ला में हुई जन्म दिवस को लेकर बैठक

मरुधर विशेष

संवाददाता सलीम खान कामां -कामां में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जन्म दिवस को मनाने व शोभा यात्रा निकालने के लिए जाटवान बगीची बड़ा मोहल्ला में बैठक का आयोजन घूरेलाल फौजी की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें सर्व संमत्ति से अमित कुमार पेंटर को अध्यक्ष एवं देवेंद्र कुमार को कोषाध्यक्ष और सोनू जाटव को महामंत्री नियुक्त किया गया। बैठक में अध्यक्ष महोदय द्वारा सभा को संबोधित करते हुए कहा गया कि आने वाली 14 अप्रैल 2025 को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जन्म दिवस को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ में अंबेडकर पार्क से मुख्य बाजार में होकर के शोभा यात्रा निकाल करके मनाया जाएगा बैठक में समस्त जाटव समाज के गणमान्य व्यक्ति व युवा वर्ग मौजूद रहे

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के अंतर्गत जिला स्तरीय निवेश उत्सव आयोजित

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की 03 लाख करोड़ रूपये के प्रोजेक्ट्स की ग्राउण्ड ब्रेकिंग

जिले में राइजिंग राजस्थान के तहत 266 एमओयू किए गए, 59 की ग्राउण्ड ब्रेकिंग की गई

मरुधर विशेष

कोटपूतली(सीताराम गुप्ता) राजस्थान दिवस (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) के उपलक्ष्य में राज्य सरकार प्रदेश भर में साप्ताहिक महोत्सव आयोजित कर रही है। इसी कड़ी में सोमवार को राजस्थान दिवस पर जयपुर में निवेश उत्सव राइजिंग राजस्थान इंपैक्ट 1.0 का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय निवेश उत्सव का आयोजन कोटपूतली के पंचायत समिति कार्यालय के सभागार में जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम वर्चुअली राज्य स्तरीय

कार्यक्रम में उपस्थित रहा। जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने बताया कि राइजिंग राजस्थान के तहत जिले में 266 एमओयू किए गए हैं। जिसके तहत जिले में 17500 करोड़ के रुपए के निवेश होने हैं। जिनमें से 59 की ग्राउण्ड ब्रेकिंग की गई है। जिसके तहत 1692 करोड़ रूपये के निवेश हुए हैं एवं करीब 3500 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। साथ ही 26 एमओयू का क्रियान्वयन किया गया है। जिसके तहत 700 करोड़ रूपये का निवेश किया गया है एवं 1500 लोगों को रोजगार प्राप्त हो चुका है।100 से अधिक एमओयू प्रक्रियाधीन है, जिनकी जल्द ही ग्राउण्ड ब्रेकिंग में आने की संभावना है। इस दौरान एडीएम ओमप्रकाश सहारण, एसडीएम नीमराना महेंद्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी रामसिंह यादव, वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक राहुल भट्ट, सहायक आयुक्त हिमांशु जोशी, जिला उद्योग अधिकारी दिलखुश मीणा, राकेश गुर्जर सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, उद्योगपति, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग व रिको टीम उपस्थित रही। लॉजिस्टिक, डेटा सैन्टर एवं टेक्सटाइल और अपैरल पॉलिसी का किया विमोचन :- राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उद्योग एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लॉजिस्टिक, डेटा सैन्टर एवं टेक्सटाइल और अपैरल पॉलिसी का भी विमोचन किया। साथ ही राइजिंग राजस्थान के निवेश प्रस्तावों की मॉनिटरिंग हेतु मोबाईल ऐप का शुभारम्भ, निवेशकों को भू-आवंटन पत्र वितरण, राइजिंग राजस्थान के न्यूज लेटर का विमोचन एवं राजस्थान फाउण्डेशन के नए चैप्टर्स की शुरूआत के दिशा-निर्देश भी जारी किये।

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के अंतर्गत जिला स्तरीय निवेश उत्सव आयोजित

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने की 3 लाख करोड़ रूपये के प्रोजेक्ट्स की ग्राउंड ब्रेकिंग

जिले में राइजिंग राजस्थान के तहत 53 एमओयू किए गए, 12 की ग्राउंड ब्रेकिंग की गई

मरुधर विशेष

संवाददाता सलीम खान डीग,। राजस्थान दिवस (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) के उपलक्ष्य में राज्य सरकार प्रदेशभर में साप्ताहिक महोत्सव आयोजित कर रही है। इसी कड़ी में सोमवार को राजस्थान दिवस पर जयपुर में निवेश उत्सव राइजिंग राजस्थान इंपैक्ट 1.ह का आयोजन किया गया। इसी क्रम में जिला स्तरीय निवेश उत्सव का आयोजन पंचायत समिति कार्यालय सभागार में जिला कलक्टर उत्सव कौशल की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम वर्चुअली राज्य स्तरीय कार्यक्रम में उपस्थित रहा। जिला कलक्टर उत्सव कौशल ने बताया कि राइजिंग राजस्थान के तहत जिले में 53 एमओयू किए गए हैं, जिनमें से 12

की ग्राउंड ब्रेकिंग की गई है, जिनमें से 04 एमओयू में उत्पादन कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिसके तहत 80 करोड़ रूपये का निवेश किया गया है एवं 250 लोगों को रोजगार प्राप्त हो चुका है। 08 एमओयू प्रक्रियाधीन है जिनके शीघ्र उत्पादन कार्य प्रारंभ करने की संभावना है। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर देवी सिंह, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहन सिंह, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग एवं रिको टीम उपस्थित रही।

लॉजिस्टिक, डेटा सेन्टर एवं टेक्सटाइल और अपैरल पॉलिसी का किया विमोचन

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने उद्योग एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लॉजिस्टिक, डेटा सेन्टर एवं टेक्सटाइल और अपैरल पॉलिसी का भी विमोचन किया। साथ ही, राइजिंग राजस्थान के निवेश प्रस्तावों की मॉनिटरिंग हेतु मोबाइल ऐप का शुभारंभ, निवेशकों को भू-आवंटन पत्र वितरण, राइजिंग राजस्थान के न्यूज लेटर का विमोचन एवं राजस्थान फाउंडेशन के नए चैप्टर्स की शुरूआत के दिशा-निर्देश भी जारी किए।

कर्नल बैंसला के आदर्शो को जीवन में उतारने का संकल्प ले युवा पीढ़ी :- कसाना

कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन

मरुधर विशेष

कोटपूतली(सीताराम गुप्ता) गुर्जर आरक्षण आन्दोलन के अगुवा नेता रहे कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की तृतीय पुण्यतिथि पर सोमवार को राजमार्ग पर ग्राम खेडक़ी वीरभान स्थित भाजपा कार्यालय पर कार्यकर्ताओं व युवाओं ने वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर लाल कसाना के नेतृत्व में स्व. कर्नल बैंसला के चित्र के समक्ष पुष्प

अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कसाना ने कहा कि कर्नल बैंसला ने गुर्जर समाज को प्रगति पथ पर आगे बढऩे का रास्ता दिखाया। उनके संघर्ष की बदौलत आज समाज का युवा निरन्तर शैक्षणिक, आर्थिक, राजनैतिक क्षेत्र में विकास कर रहा है। आज की युवा पीढ़ी को कर्नल बैंसला के आदर्श अच्छी शिक्षा व स्वास्थ्य, पढ़ी लिखी माँ व कर्जमुक्त समाज के संकल्प को अपने जीवन में उतारना चाहिये। इस मौके पर प्रधानाचार्य पूरणचंद कसाना, रोशन हवलदार, चंदाराम डोई, महावीर पुजारी, दाताराम जेलदार, सतीश चौधरी, देवा मोलाहेड़ा, हनुमान मुक्कड़, उमाशंकर शर्मा, हवासिंह जांगल, सुरेश अधाना, रिंकू मुक्कड़, मिथलेश रावत, विजय कुमार, नागेंद्र, टीटू यादव समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कुशला भील छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: कुशला भील छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान परसों से कुशला भील संगठन व्हाट्सएप ग्रुप में एक न्यूज़ अर्जेंट ए पॉजिटिव ब्लड की आवश्यकता को लेकर व्हाट्सएप ग्रुप पर चलाया गया अरहिग कटारा एमजी अस्पताल में भर्ती है तत्काल ए पॉजिटिव ब्लड की आवश्यकता है तो कल कुशला भील छात्र संगठन के कार्यकर्ता नरेश कटारा गांव मोर ने संगठन के संस्थापक एडवोकेट महेश कटारा एवं संगठन मंत्री सोहनलाल देवदा के साथ एमजी हॉस्पिटल बांसवाड़ा रात 10:15 पहुंचकर अपना ए पॉजिटिव रक्त दान किया एवं और आज इस मरीज को फिर से ब्लड की आवश्यकता होने पर आज दिपक डिंडोर ने संगठन मंत्री सोहनलाल देवदा के साथ महात्मा गांधी चिकित्सालय बांसवाड़ा पहुंचकर अपना ए पॉजिटिव ब्लड दान किया था एवं उसे मरीज को चढ़ाया था जिससे उसे राहत महसूस हुई थी उसकी तबीयत अभी ठीक है। परिजनों एवं रिश्तेदारों में ए पॉजिटिव रक्त नहीं मिलने के कारण व्हाट्सएप में पुनः मैसेज चलाया गया जिस पर संगठन के कार्यकर्ता दीपक गरासिया ने सज्जनगढ़ इटाला से बांसवाड़ा के महात्मा गांधी चिकित्सालय में जाकर उसने अपना ए पॉजिटिव रक्तदान किया एवं मरीज को सही समय पर ब्लड चढ़ाया गया यह जानकारी संगठन के संस्थापक एडवोकेट महेश कटारा ने देते हुए कहा कि रक्तदान महादान होता है सभी युवाओं को रक्त दान करने के लिए तत्पर रहना चाहिए जिससे गंभीर घायल एवं विभिन्न प्रकार की बीमारी से ग्रसित मरीजों की जान बचाई जा सके। संगठन मंत्री सोहनलाल देवदा ने बताया कि उसने भी कई बार रक्तदान करके गंभीर मरीजों की जान बचाई है और हमेशा वह युवाओं को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करते रहते हैं रक्तदान के मौके पर संगठन मंत्री सोहनलाल देवदा,
बता दे कुशला भील छात्र संगठन के कई कार्यकर्ताओं ने आवश्यकता के अनुसार समय-समय पर चिकित्सालय पहुंचकर अपना रक्तदान किया है।

वंडर किड्स इंग्लिश स्कूल सज्जनगढ़ का वार्षिकोत्सव कार्यक्रम एपिक एक्सीलेंस 2025 हुआ सम्पन्न

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: वंडर किड्स इंग्लिश स्कूल सज्जनगढ़ का वार्षिकोत्सव कार्यक्रम एपिक एक्सीलेंस 2025 केसर वाटिका सज्जनगढ़ में रंगारंग कार्यक्रमों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के सम्मान के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रारम्भ में सर्वप्रथम अतिथियो विपुल कुमार दांतला सीईओ, शीनु नोवा डायरेक्टर, अनु नोवा प्रिंसिपल वंडर किड्स इंग्लिश स्कूल सज्जनगढ़, छगनलाल जी सर राजकीय अध्यापक, महेश कुंडल पुलिस विभाग, संदीप लबाना, महेश कुमार सोनी, मुकेश सुरावत सरपंच ताम्बेसरा दीपक कुमार, नीलम कुमारी ने विद्या की देवी माँ सरस्वती की तस्वीर पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया। स्वागत भाषण विद्यालय की शिक्षिका अनु विजयन ने दिया।
जिसके पश्चात विद्यालय के छात्र छात्राओ ने विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। आम जन के जीवन पर प्रभाव डालने वाले विषय वृक्ष बचाओ - जीवन बचाओं, बालिका

शिक्षा, तम्बाकू, शराब एवं नशे के कारण मानव जीवन पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव के कारण दूर नशे से दूर रहने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जिनका मानव जीवन पर प्रभाव पड़ता हो, स्वच्छता का मानव जीवन में महत्व, प्रकृति संरक्षण सहित कई विषयो पर भी प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम में बच्चो की प्रस्तुतियों ने अभिभावकों एवं अगंतुक मेहमानों का मन मोह लिया। विद्यालय की शिक्षिकाओं ने भी अपनी नृत्य कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की कोरियोग्राफर अखिला मेम एवं जेसली मेम, स्टेज मैनेजमेंट अनु विजयन मेम, सुजीशा मेम, अर्चना मेम, मेकअप लतिका कलाल, कॉस्टयुम डिजायनर अखिला मेम एवं अनु मेम, कोर्डिनेटर्स शीनु नोवा, अनु नोवा मेम रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रतिभावान एवं विभिन्न कक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थीयो को अतिथियों के हाथो प्रमाण पत्र एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के बेस्ट टीचर का अवार्ड चीचा सबु मेम एवं निकुंज लबाना को उनके उत्कृष्ट शिक्षण एवं विद्यालय की गतिविधियों में सहयोग एवं रचनात्मक कार्य हेतु प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण धाणकी, सृष्टी, हिमांकी, जानवी ने किया एवं सुजीशा मेम ने माना। विद्यालय के डायरेक्टर शीनु नोवा, प्रिंसिपल अनु नोवा, सीईओ विपुल कुमार दांतला ने समस्त व्यवस्थाए संभाली।

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव नगर परिषद कार्यालय में जिला स्तरीय सांस्कृतिक संध्या का भव्य आयोजन

राजस्थानी कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां जिला कलेक्टर, एसपी व नगर परिषद सभापति ने की शिरकत

मरुधर विशेष

कोटपूतली (सीताराम गुप्ता) राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय नगर परिषद कार्यालय में रविवार शाम को जिला स्तरीय सांस्कृतिक संध्या का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल, जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत व नगर परिषद सभापति पुष्पा सैनी ने शिरकत की। जिला स्तरीय सांस्कृतिक संध्या में स्थानीय राजस्थानी कलाकारों ने मंच पर गौरवशाली कला के रोचक रंगों को उकेरा। मीना सपेरा एंड पार्टी द्वारा चरी, कालबेलिया एवं घूमर नृत्य, प्रभूदयाल एंड पार्टी द्वारा पद दंगल गीत एवं नृत्य प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन

मोह लिया। साथ ही प्रसिद्ध भपंग वादक नूरद्दीन मेवाती द्वारा भपंग वादन की भी प्रस्तुतियां दी गई।
कवियों ने भीखेरे विभिन्न रसों के रंग :- इस दौरान डॉ. रमाकांत सुमन ने हास्य रस, गुरुदयाल भारती ने वीर रस, डॉ. रामसिंह जिद्दी ने श्रृंगार रस की कविताओं से श्रोताओं का मन मोहा। वहीं धुड़ाराम पदम एवं महेश जिज्ञासु ने भी अपनी विरली कविताओं के माध्यम से जनसभा को मनोरंजित किया। इस दौरान अतिथियों ने कलाकारों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में भव्य आतिशबाजी भी की

गई। इस मौके पर एडीएम ओमप्रकाश सहारण, एसडीएम बृजेश कुमार चौधरी, डीएसपी राजेन्द्र बुरडक़, नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट, नगर परिषद एक्सईएन दीपक मीणा सहित अन्य अधिकारीगण एवं भारी संख्या में जनसमूह उपस्थित रहा।
मुख्यमंत्री की घोषणा पर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर हर्षोल्लास से मनाया गया राजस्थान दिवस :- चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (30 मार्च) को प्रदेश भर में राजस्थान दिवस उत्साह एवं उमंग से मनाया गया। सभी जिलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिनमें जनसमूह ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। मंदिरों में विशेष आरती का आयोजन हुआ और प्रदेशवासियों ने अपने घरों पर दिये जलाकर राजस्थान दिवस हर्षोल्लास से मनाया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस बार से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन राजस्थान दिवस मनाने की घोषणा की है। शर्मा ने कहा है कि संवत् 2006 (30 मार्च 1949) को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने वृहद् राजस्थान का उद्घाटन किया था।

Marudharhind24 news Private Limited के लिए मद्रायनी प्रिन्टर्स 17 वैष्णोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित, एवं जीवन सिंह पुरा शाम्दा अलवर से प्रकाशित। मो 9653906665, 7014373732